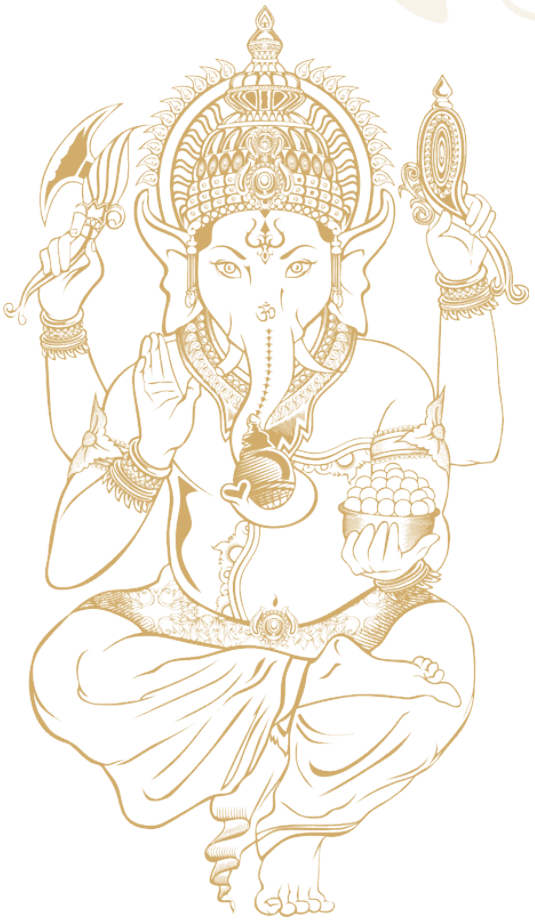

A

15 Feb 2026

12:34 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121506405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/02/2026**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:34:00 घंटे**
इष्ट	43:53:15 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:12:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	09:52:07 घंटे
सूर्योदय	07:00:42 घंटे
सूर्यास्त	18:10:17 घंटे
दिनमान	11:09:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:52:16 कुम्भ
लग्न के अंश	26:07:28 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:07:28	307:00:46	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			कुंभ	01:52:16	01:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	29:55:46	12:27:52	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	23:19:52	00:47:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	उच्च राशि
बुध			कुंभ	18:44:23	01:28:22	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:49:17	00:04:38	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	11:14:33	01:15:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	05:51:46	00:06:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:46:24	00:01:48	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:46:24	00:01:48	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:17:11	00:00:34	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:19:55	00:01:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:54:05	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	01:33:02	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

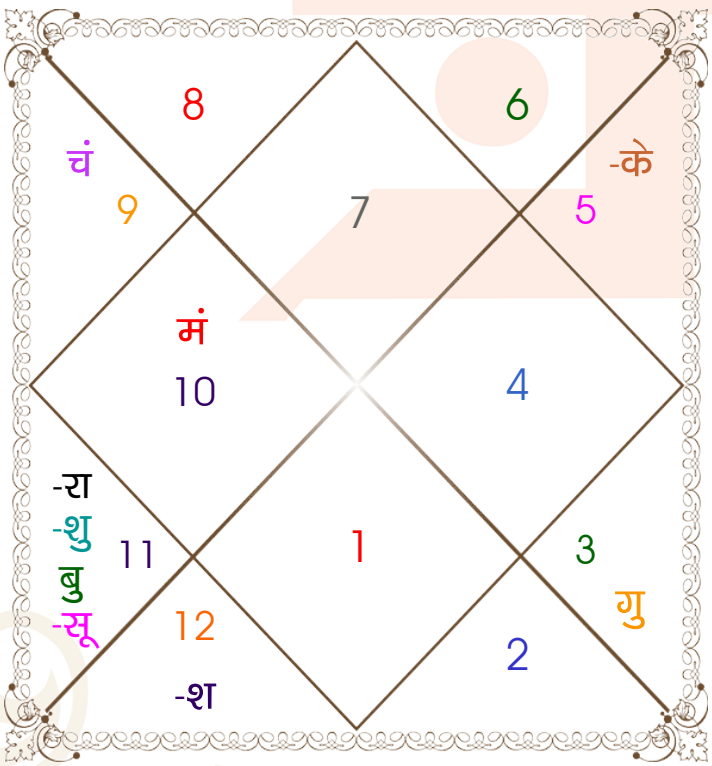

चन्द्र कुंडली

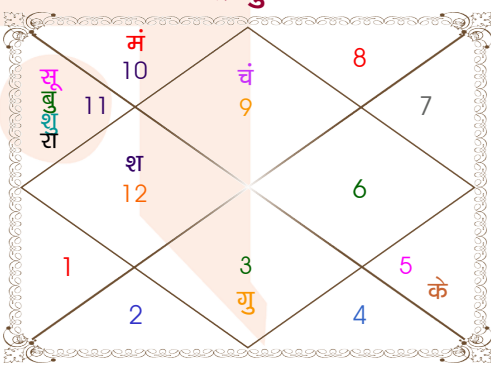

नवमांश कुंडली

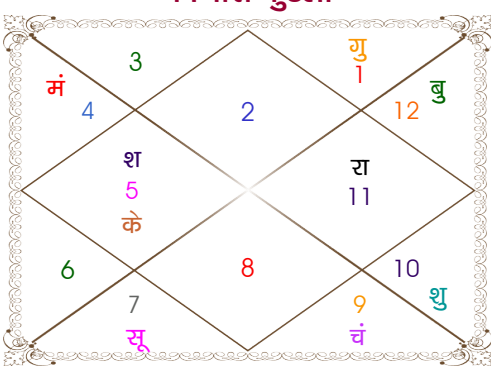

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 6 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/02/2026		28/08/2030		27/08/2040		28/08/2047		28/08/2065	
28/08/2030		27/08/2040		28/08/2047		28/08/2065		28/08/2081	
	00/00/0000	चंद्र	28/06/2031	मंगल	23/01/2041	राहु	10/05/2050	गुरु	16/10/2067
	00/00/0000	मंगल	27/01/2032	राहु	11/02/2042	गुरु	03/10/2052	शनि	28/04/2070
	15/02/2026	राहु	28/07/2033	गुरु	18/01/2043	शनि	10/08/2055	बुध	03/08/2072
राहु	15/09/2026	गुरु	27/11/2034	शनि	27/02/2044	बुध	26/02/2058	केतु	10/07/2073
गुरु	04/07/2027	शनि	27/06/2036	बुध	23/02/2045	केतु	17/03/2059	शुक्र	10/03/2076
शनि	15/06/2028	बुध	27/11/2037	केतु	22/07/2045	शुक्र	16/03/2062	सूर्य	27/12/2076
बुध	22/04/2029	केतु	28/06/2038	शुक्र	21/09/2046	सूर्य	08/02/2063	चंद्र	28/04/2078
केतु	28/08/2029	शुक्र	27/02/2040	सूर्य	27/01/2047	चंद्र	09/08/2064	मंगल	04/04/2079
शुक्र	28/08/2030	सूर्य	27/08/2040	चंद्र	28/08/2047	मंगल	28/08/2065	राहु	28/08/2081

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/08/2081		28/08/2100		29/08/2117		28/08/2124		28/08/2144	
28/08/2100		29/08/2117		28/08/2124		28/08/2144		00/00/0000	
शनि	30/08/2084	बुध	25/01/2103	केतु	25/01/2118	शुक्र	29/12/2127	सूर्य	16/12/2144
बुध	10/05/2087	केतु	22/01/2104	शुक्र	27/03/2119	सूर्य	28/12/2128	चंद्र	16/06/2145
केतु	18/06/2088	शुक्र	22/11/2106	सूर्य	02/08/2119	चंद्र	29/08/2130	मंगल	22/10/2145
शुक्र	19/08/2091	सूर्य	28/09/2107	चंद्र	02/03/2120	मंगल	29/10/2131	राहु	16/02/2146
सूर्य	31/07/2092	चंद्र	27/02/2109	मंगल	29/07/2120	राहु	29/10/2134		00/00/0000
चंद्र	01/03/2094	मंगल	24/02/2110	राहु	16/08/2121	गुरु	29/06/2137		00/00/0000
मंगल	10/04/2095	राहु	12/09/2112	गुरु	23/07/2122	शनि	28/08/2140		00/00/0000
राहु	14/02/2098	गुरु	19/12/2114	शनि	01/09/2123	बुध	29/06/2143		00/00/0000
गुरु	28/08/2100	शनि	29/08/2117	बुध	28/08/2124	केतु	28/08/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।